SAGARMALA
PORT-LED PROSPERITY

जनवरी - मार्च 2017

अपना पोर्ट

संपादक मंडल

श्री. राजेंद्र पैबीर : सचिव
श्री. प्रकाश चं. प्रजापति : वरिष्ठ लेखा अधिकारी
श्री. प्रफुल्ल कांबळे : वरिष्ठ सहा.यातायात प्रबंधक
श्रीमती जया प. धीरवानी : प्रशासनिक अधिकारी
श्री. लालजी रा. राम : हिंदी अधिकारी
श्री. राजन ल. लाड : हिंदी अनुवादक (ग्राफिक एवं अभिकल्प)

Appreciation

Coffee with Chairman

Shri S.S.Kharche, Sr. Vigilance Officer, Vigilance Department is awarded "Certificate of Appreciation" as an outstanding employee of Mumbai Port Trust for Oct.-Dec. 2016 under the Scheme *Coffee With Chairma.* in acknowledgement of his exemplary work, high integrity value, successful handling of projects of Oil Spill Response, Solar Power and Bunkering Terminal and in recognition of follow up in the matter of Arbitration in AFCON's case, despite transfer on deputation to other assignment resulting in substantial saving of revenue of the Port

सर्वतोमुखी कार्य निष्पादन के साथ मुंबई पोर्ट का शानदार वर्ष

माल की सम्हलाई में मुंबई पोर्ट का अब तक का उच्चांक

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने पिछले वर्ष के (61.11 दशलक्ष मे. टन) के मुकाबले इस वर्ष 3.17% की वृध्दि दर्ज कर 63.05 दशलक्ष मेट्रिक टन (एमएमटी) माल की सम्हलाई की जो अब तक का सर्वोच्च उच्चांक है.

उपरोक्त उच्चतम सम्हलाई हासिल करने के साथ–साथ पोर्ट का विक्रमी निष्पादन निम्नानुसार रहा :

रो–रो प्रचालनों के जरिए 2.1 लाख ऑटोमोबाईलों की रिकार्ड सम्हलाई.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के अंतर्राष्ट्रीय क्रूज़ टर्मिनल में 57,076 यात्रियों को वहन करनेवाले 51 अंतर्राष्ट्रीय क्रूज़ पोतों ने लंगर डाला.

'होग सेंट पीटर्सबर्ग' ने दिनांक 6.8.2016 को 6,312 निर्यात वाहनों के यूनिटों की सम्हलाई की जो एक पोत पर सम्हलाई किये गये ऑटोमोबाईलों का अब तक का उच्चांक रहा.

अंतर्राष्ट्रीय क्रूज़ पोत 'एम.वही. जेटिंग ड्रीम' की पहली समुद्रगामी यात्रा का आरंभ दिनांक 29.10. 2016 को बीपीएक्स अंतर्राष्ट्रीय क्रूज़ टर्मिनल से हुआ.

क्रूज़ जहाज़ 'कोष्टा–निओ–क्लासिका' ने अपना होम पोर्ट प्रचालनों की शुरुआत मुंबई पोर्ट से की और वर्ष के दौरान 7 पोर्ट कॉल्स किये.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में दि. 22.2.2017 को 8500 कारों की क्षमता वाले विश्व के सबसे बड़े कार कैरियर 'एम.व्ही. होग ट्रेसर' का आगमन हुआ.

पिछले वर्ष की 0.96 दशलक्ष मेट्रिक टन की सम्हलाई की तुलना में मुंबई पोर्ट इस वर्ष गेहूँ तथा दालों सहित विभिन्न कृषि उत्पादों की 601 दशलक्ष मे.टनों की सम्हलाई करके 66% की वृध्दि हासिल की.

पिछले वित्त वर्ष में निर्यात हुए 0.342 दशलक्ष मे.टन के मुकाबले इस वर्ष इस्पात निर्यात 0.837 दशलक्ष मे.टन रहा जो 144% वृध्दि दर्शाता है.

वर्ष 2016–17 के दौरान बीच समुद्र में 13.62 दशलक्ष टन माल की सम्हलाई हुई. यह विगत वर्ष के दौरान 9.08 दशलक्ष टन थी जो 51.13% की, भारी वृध्दि दर्शाती है.

इस प्रकार मुंबई पोर्ट पिछले वित्त वर्ष के दौरान सम्हलाई निष्पादन के परिप्रेक्ष्य में देश के प्रमुख महापत्तनों में से तीसरा स्थान हासिल किया है.

श्री संजय भाटिया, अध्यक्ष, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने पत्तन को निरंतर संरक्षण प्रदान करने वाले व्यापार तथा सभी भागीदारों को धन्यवाद दिया तथा अत्यंत स्पर्धात्मक लागत से समर्थन तथा सुविधाओं के विकास के प्रति आश्वासन दिया. श्री भाटियाजी ने रिकार्ड उपलब्धि के लिए सभी पत्तन कर्मचारियों के योगदान की प्रशंसा की.

पोर्ट उपभोक्ता के साथ आपसी संबंध

श्री. संजय भाटिया, भा.प्र.से., अध्यक्ष, मुं.पो.ट्र. ने पोर्ट उपभोक्ताओं,ठेकेदारों एंव आपूर्तिकर्ताओं के साथ व्यवसाय में पारदर्शिता लाने के लिए 21 नवम्बर 2016 को एक बैठक आयोजित की. इस बैठक के प्रमुख अतिथि थे श्री. अतुल फुलझेले, भा.पो.से.,डीआयजी, केंद्रीय अन्वेषण विभाग, श्री पूलझेले ने भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए प्रतिबंधक उपायों पर बात की. अध्यक्षजीं ने सभी उपस्थितों को संबोधित करते हुए मुंपोट्र की 14 मदों वाली पारदर्शिकता संबधी योजना पर बात की, और यह भी कहा कि, उन्हें मुंपोट्र भ्रष्टाचार से मुक्त चाहिए. आगे उन्होंने पोर्ट उपभोक्ताओं, ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं से अनुरोध किया कि मुंपोट्र में भ्रष्टाचार संबंधी कोई भी शिकायत के मामले में सीधे उन्हें संपर्क करें.

2 अध्यक्षजी ने मोबाईल ऍप्लीकेशन संबंधी उल्लेख किया, जिससे पोर्ट उपभोक्ताओं के शिकायतका निवारण हो सकें. जिस ऍप्लीकेशन को मुंपोट्र बना रहा है. मुंपोट्र एवं पोर्ट उपभोक्ताओं, ठेकेदारों, आपुर्तिकर्ताओं के बीच सूचनात्मक प्रश्नोत्तर के समय श्री. संजय भाटिया, भा.प्र.से., अध्यक्ष, और श्री यशोधन वनगे, भा. रा. से.उपाध्यक्ष ने उनके प्रश्नों का समुचित जबाब दिया.

कोरियन, बूसान प्रतिनिधि - मंडल का मुंबई पोर्ट ट्रस्ट दौरा

श्री. ली हाई डाँग, पूर्व अध्यक्ष, बूसान महानगर तथा श्री आलोक रॉय, महासचिव, बूसान फाउण्डेशन,

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधि मंडल ने 13.2.2017 को मुंबई पोर्ट का दौरा किया. इस दौरे का प्रमुख उद्देश्य कोरिया (बूसान) – भारत के बीच व्यापार और निवेश में दोनों पक्षों के संबधों को और मजबूत करना था. प्रतिनिधि मंडल ने मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री. संजय भाटिया और उपाध्यक्ष श्री. यशोधन वनगे और अन्य वरिष्ठ पोर्ट अधिकारियों के साथ विचार–विमर्श किया, जिसमें कोरिया (बूसान) के बीच व्यापार तथा बूसान पोर्ट और मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के बीच सहयोग के क्षेत्रों के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला गया.

WORKSHOP ON PROMOTING COASTAL TRADE THROUGH MUMBAI PORT

Promotion of Coastal Trade is high on the agenda of Government of India with vast coastline of over 7500 KM. There is a huge potential for movement of cargo through coastal routes relieving the congestion on the road and on railway networks. Its great contribution for reduction of carbon footprints needs no elaboration. Sagarmala programme lays special emphasis on promoting coastal cargoes and modal shift from road and rail to ship is being made attractive through various efforts including creating special facilities, streamlining processes, providing rebates, etc.

2. Mumbai Port has been in the forefront of promoting coastal cargoes. Coastal cargo forms 30% of the cargo handled in Mumbai Port, comprising mainly of POL 5.4 MMTPA, Iron Ore 6.8 MMTPA, Iron and Steel 0.5 MMTPA, Cement 0.2 MMTPA etc. With proactive measures, the coastal Iron and Steel cargo has increased by 450% over the previous year. With an aim to encourage the Coastal movement of Automobiles, a special RORO facility is being made available in Indira Dock alongwith extension of rebates.

3. To sensitize the trade in general and to understand and redress the issues affecting this trade and to promote coastal movement, MbPT held a Workshop, wherein the current and potential stakeholders, e.g., Receivers, Shippers, Coastal ship owners / operators, Shipping Agents, Freight Forwarders, Trade Associations, Government and Port Officials participated unfolding their experiences and expectations.

4. Shri Sanjay Bhatia, Chairman, Mumbai Port Trust, in his key note address emphasized all round benefits of the coastal movement over other means and extended Port's support to handhold the trade and help achieve the threshold volumes till the coastal route becomes viable option.

5. The recommendations in the Vision Document for Coastal Shipping were deliberated and it was noted that many of the recommendations have been implemented and others are in pipeline. The deliberations, by eminent stakeholders in this workshop helped in crystalizing issues, finding solutions for efficient and cost effective coastal logistics as below :–

(i) The duty free bunkers and spare parts for the coastal shipping is most important to reduce the coastal logistics cost.

(ii) Relaxation of cabotage for coastal carrier.

(iii) Reduction in Wharfage Charges when the cargo is double handled.

(iv) Non-availability of coastal ships for carrying domestic cargoes.

(v) Requirement of cargo commitment from the large producers as PSUs, etc. to enable build up of Indian coastal tonnage.

(vi) Incentive Scheme for Modal Shift to be implemented as soon as possible.

(vii) Exemption for Indian Sailors on coastal ships from Income Tax, etc.

(viii) There is no return cargo - one way traffic, at present.

(ix) Octroi issues in Mumbai - GST will take care of the same.

(x) Large storage areas for warehousing.

6. Being Multi-disciplinary issues, involving other agencies as Customs, DG Shipping, Ports, State Government, etc. Shri Sanjay Bhatia, Chairman, MbPT, assured the stakeholders that issues highlighted in the workshop will be taken up with concerned Ministries / Organisations to get them resolved.

सीएसआर परियोजना के अंतर्गत शिशुपालन केंद्र का उद्घाटन

माननीय पोत परिवहन, सड़क परिवहन एवं महामार्ग मंत्री के कर कमलों मुंबई पोर्ट ट्रस्ट की सीएसआर परियोजना के अन्तर्गत शिशुपालन केन्द्र का उद्घाटन

गुरुवार दिनांक 30 मार्च 2017 को, केन्द्रीय पोत परिवहन, सड़क परिवहन और महामार्ग मंत्री श्री नितीन गड़करी के करकमलों मुंबई पोर्ट ट्रस्ट द्वारा टाटा मेमोरियल केन्द्र (भारत सरकार के परमाणु उर्जा विभाग के अन्तर्गत अनुदान प्राप्त संस्था) को आबंटित 165 डॉर्मिटोरी ब्लॉक का उद्घाटन किया गया ताकि यह भवन समूह टाटा स्मारक कैंसर अस्पताल मुंबई में उपचार के लिए बाहर से आनेवाले बाल कैंसर रोगियों और उनके माता–पिता को मुफ्त में रहने के लिए उपलब्ध हो सके.

इस अवसरपर फिल्म अभिनेता श्री. नाना पाटेकर, श्री. आशिष शेलार,आमदार, श्री. अजय चौधरी, आमदार और डॉ. राजेंद्र बडवे, निदेशक (टीएमसी) ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढायी.

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, द्वारा प्रेरित और माननीय पोत परिवहन, सड़क परिवहन और महामार्ग मंत्री श्री नितीन गड़करी द्वारा मार्गदर्शित तथा मुंबई पोर्ट ट्रस्ट द्वारा सीएसआर (CSR) क्रियाकलापों के तहत एक हिस्से के रूप में यह महत्वपूर्ण और अनोखी मानवतावादी परियोजना 23 जुलाई 2015 को शुरु की गयी.

यह पाया गया कि कैंसर से पीड़ित बहुत से बच्चे जो टाटा स्मारक अस्पताल मे देश के भिन्न–भिन्न भागों से उपचार हेतु आते हैं, वे ठहरने के लिए कोई स्थान नहीं पाते. वे अस्पताल के बाहर ही खडंजे पर बसेरा शुरु कर देते हैं. उन बच्चों को संक्रमणों के जोख़िम से बचाने हेतु स्वस्थ परिवेश में रहना आवश्यक होता है.

मुंबई शहर से पिछले 143 वर्षों के प्रदीर्घ जुड़ाव और टाटा स्मारक अस्पताल में कैंसर उपचार हेतु दूर–दराज़ स्थानों से आनेवाले इन बच्चों की दयनीय दशा को देखते हुए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने माननीय नितीन गड़करी जी के मार्गदर्शन में इन रोगियों की मदत करने का निश्चय किया. मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने तीन आवासीय इमारतों में 128 यूनिटें अपनी सीएसआर परियोजना के तहत नाममात्र के प्रभार पर टाटा स्मारक अस्पताल को आबंटित किया ताकि वो कैंसर पीड़ितों को मुहैय्या कर सकें. इस कार्य से गरीब से गरीब परिवार को भी विख्यात टाटा स्मारक अस्पताल से स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध हो सकेगी.

इस सुविधा से गरीब कैंसर रोगियों का उपचार के दौरान घर जैसी आवास की सुविधा उपलब्ध होगी. मूलभूत आवास के अतिरिक्त, यहाँ आंतरिक खेलों जैसी मनोरंजन सुविधाओं से सुसज्ज सुविधा होगी. यहाँ बच्चों को परामर्श और योग भी मुहैय्या किया गया है जिससे उनको जल्दी स्वस्थ होने अथवा रेडियेशन, केमोथेरेपी इत्यादि हेतु ताकत प्राप्त होगी. जब बच्चे केन्द्र पर उपचार ले रहे हों, तब उन्हें शिक्षण भी मुहैय्या किया गया है ताकि उनका शैक्षणिक वर्ष बरबाद न हो.

इस समय कैंसर से पीड़ित 75 बच्चे और उनके सहयोगी रिश्तेदार किसी भी दिये समय में इन यूनिटों में रह सकते हैं. लगभग 90 और बिस्तरों को समाविष्ट करने की योजना है.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने स्वर्गीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा चलायी गयी अन्त्योदय योजना को ध्यान में रखते हुए, सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछडे लोगों के कल्याण के लिए मानवतावादी आधार पर यह महान कार्य किया है.

दुनिया की सैर कर लो....

यद्यपि मुंबई तीनों तरफ् से समुद्र से घिरी हुई है फिर भी मुंबईकरों तथा भारतीयों को अंतर्राष्ट्रीय क्रूझेस हेतू लक्झरी क्रूझ लाईनों पर सवार होने का कोई मौका उपलब्ध नहीं था. अब पहली बार, **पोत परिवहन मंत्रालय**, **भारत सरकार**, **महाराष्ट्र सरकार** तथा **मुंबई पोर्ट ट्रस्ट** द्वारा की गई विभिन्न पहलों के परिणामस्वरूप देशवासियों को मुंबई पत्तन से अंतर्राष्ट्रीय लक्झरी क्रूझेस पर जाने का अवसर मिलेगा, जिससे मुंबई को **'भारत में अंतर्राष्ट्रीय क्रूझ का प्रवेशद्वार'** बनाने का लंबी अवधि से देखा गया सपना साकार होगा. इसके पहले भारतीयों को अंतर्राष्ट्रीय क्रुझेस पर जाने के लिए अन्य देशों में हवाई यात्रा करके जाना ही एकमात्र विकल्प था.

18 डेक के लक्झरी क्रूझ पोत 'जेन्टिंग ड्रीम' से शुरूआत करके, जिसपर 2000 यात्री सवार होते हैं, मुंबई पत्तन से क्रूझ पर जाने हेतु भारतीयों को और अधिक लक्झरी क्रुझेस उपलब्ध होंगे.

क्रूझ पर्यटन से स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी लाभ हो रहा है परंतु क्रूझ पोत के 'घरेलू पत्तन भ्रमण' के कारण आर्थिक प्रभाव के अतिशय बहुआयामी परिणाम हो रहे हैं. अन्य एक अंतर्राष्ट्रीय क्रूझ पोत 'कोस्टा निओ क्लासिका' मुंबई को 3 महीनों से अधिक तक 'गृह पत्तन' बनाकर सात आंतर्राष्ट्रीय बंदरगाहों में प्रवेश कर चुका है.

क्रूझ पोतों को आकर्षित करने हेतु मुंबई पत्तन द्वारा उठाये गये विभिन्न कदमों के कारण यह संभव हो सका है. हालाँकि कार्गो शिप्स की तुलना में क्रूझ शिप्स से मुंबई पोर्ट को होनेवाली आमदनी कम है, फिर भी मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने कार्गो शिप्स के बजाय क्रूझ शिप्स को घाट की सुनिश्चिति और प्राथमिकता देने का विकल्प चुना है. मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने आगे चलकर क्रूझ शिप्स को प्रयोज्य प्रभारों में 40% की छूट प्रदान की है तथा क्रूझ शिप्स पर 'आउस्टिंग' प्रभार नहीं लगाया है. चरणबध्द रीति से मानक प्रचालन कार्य–प्रणाली (एसओपी) के रूप में प्रक्रिया सरलीकरण के कार्यान्वयन की पहल भी की गयी है. इन सभी उपायो के अच्छे परिणाम भी दिखने शुरु हुए हैं. पिछले वर्ष की 37 क्रूझ शिप्स की तुलना में वर्ष (2016–17) में 59 के आगमन की पुष्टि की है.

इसके अलावा, 197 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक आधुनिक क्रूझ टर्मिनल के निर्माण की योजना बनायी जा रही है. हमें आशा है कि वर्तमान में इस्तेमाल किये जा रहे 3000 वर्ग मी. का तल क्षेत्र लगभग 30,000 वर्ग मी. तक बढ़कर यह नया क्रूझ टर्मिनल भवन पूरा कर सकेंगे जिसमें सभी अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएँ होंगी जैसे की स्वतंत्र आगमन, निर्गमन, खुदरा, ड्यूटी फ्री दुकानें, रेस्तराँ, होटल आदि इसके सिवा क्रूझ न आने तथा बेमौसमी दिनों में मनोरंजन तथा सैर–सपाटे के लिए स्थानीय नागरिकों को इस टर्मिनल में प्रवेश दिया जा सकेगा.

मुंबई पत्तन इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और आने वाले कुछ वर्षों मे लगभग 100 क्रूझ पोत के आगमन का लक्ष्य रखा गया है.

जागतिक जल दिवस

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट तर्फे दिनांक 22 मार्च 2017 रोजी 'जागतिक जल दिवस' निमित्ताने कॉन्फरन्स हॉल, विजयदीप येथे कार्यक्रमाचे आयोजन केले गेले. मुंपोट्र चे उपाध्यक्ष श्री. यशोधन वनगे तसेच सचिव श्री. पैबिर यांनी यावेळी बहुमोल मार्गदर्शन केले. तद्नंतर, पाण्याचे योग्य नियोजन न केल्यास भविष्यात होणाऱ्या गंभीर परिणामांची जाणीव करुन देणारी चलचित्रफीत दाखविण्यात आली जी पुरेशी बोलकीच नव्हे तर परिणामकारक होती. तसेच मुंबई पोर्ट ट्रस्ट चे निवृत्त कर्मचारी श्री. राऊत यांचे याच विषयावर व्याख्यान आयोजित केले गेले. त्याद्वारे श्री. राऊत यांनी स्वानुभवावर आधारित उदाहरणे देऊन पाण्याच्या नियोजना संबंधी माहिती दिली. कर्मचाऱ्यांमध्ये एकूणच पाण्याचे नियोजन, सुयोग्य वापर, बचत या संबंधी जागरुकता निर्माण करण्यासाठी सदर कार्यक्रम आयोजित केला गेला. कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री. रुफी कुरेशी यांनी केले.

स्वच्छ भारत अभियान

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट द्वारा 'स्वच्छ भारत अभियान' के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. दिनांक 15 मार्च से 31 मार्च तक स्वच्छता पखवाडा मनाया गया. जिसके अंतर्गत मुंपोट्र के सभी कार्यालयों में अभिलेखों का रखरखाव तथा साफसफाई की गयी. स्वच्छता के प्रति जागरुकता निर्माण करने के लिए मुंपोट्र के कल्याण केन्द्र से नाडकर्णी पार्क वसाहत में एक रॅली का आयोजन किया गया. सभी विभागों के प्रमुख एवं मुख्य अधिकारी तथा कर्मचारियों ने साफ सफाई के माध्यम से स्वच्छता अभियान को जारी रखा. इसी के तत्वावधान में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. उत्कृष्ट निबंधों को पुरस्कृत किया गया. मुंपोट्र के सभी निवासी वसाहतों में बडे पैमाने पर स्वच्छता का प्रसार करते हुए इस अभियान को कार्यान्वित किया गया.

मुंपोट्र के कलाकारों द्वारा एक पथनाटय का आयोजन किया गया जिसकी प्रस्तुती मुंपोट्र के विभिन्न कार्यालयों तथा वसाहतों में की गयी. पथनाटय बहुत ही परिणामकारक रहा तथा इस प्रस्तुती की सभीने सराहना की. दि. 29 मार्च को कॉन्फरन्स हॉल में स्वच्छता पर कर्मचारियों द्वारा मनोरंजनात्मक नाटिका एवं पथनाटय प्रस्तुत किया गया. इसी की एक कडी को जोडते हुए डॉ. मोकल द्वारा एक पॉवर पॉईंट प्रेझेंटेशन दिया गया जिससे काफी महत्वपूर्ण जानकारी पायी गयी. भारत देश को सुजलाम सुफलाम बनाने के साथ साथ स्वच्छ भारत बनाने की प्रतिज्ञा लेते हुए कार्यक्रम का समापन हुआ इस स्वच्छता अभियान के अंतर्गत सभी सफल कार्यक्रमों का आयोजन कल्याण प्रभाग के वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री. मो. रुफी कुरेशी द्वारा किया गया.

हिंदी टिप्पणी एवं प्रारुप लेखन प्रतियोगिता

मुंबई नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (केंद्र सरकार) के तत्वावधान में मुंपोट्र द्वारा हिंदी टिप्पणी एवं प्रारुपलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. न.रा.का.स. (केंद्र सरकार) के कार्यालयों में राजभाषा का प्रचार – प्रसार एवं प्रयोग बढाने के लिए सतत प्रयत्नशील है. कार्यालयों को राजभाषा के प्रति जागरुकता बढाने के उद्देश्य से भिन्न – भिन्न प्रकार की हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है. उनके तत्वावधान में मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में दिनांक 4.1.2017 को हिंदी टिप्पण एवं प्रारुप लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें केंद्र सरकार के भिन्न–भिन्न कार्यालयों के कुल 66 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया. अबतक हुई हिंदी प्रतियोगिताओं में से इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक कर्मचारी उपस्थित हुए. खासबात तो यह रही कि 15 से 20 कर्मचारी बिना नामांकन भेजे सीधे प्रतियोगिता में सहभागी हुए. यह राजभाषा के उत्तरोत्तर विकास का परिचायक है.

पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारियों को चश्में के खर्च की प्रतिपूर्ति में वृध्दि.

शताब्दी संस्मरण निधि में चष्में के खर्च की प्रतिपूर्ति योजना के अंतर्गत सी.सी.एफ्. कार्यकारी समिति के संकल्प संख्या 412 के अनुसार कर्मचारियों तथा भूतपूर्व–कर्मचारियों को प्रत्येकी रु.1000/–(एक हज़ार रुपये मात्र) मंजूर किये जाते थे. सभी वर्गों के कर्मचारी तथा सेवा–निवृत्त कर्मचारी पिछली प्रतिपूर्ति की तिथि से 2 वर्षों में एक बार प्रतिपूर्ति के लिए पात्र होते थे.

मुं.पो.ट्र शताब्दी संस्मरण निधि की कार्यकारी समिति ने दि. 2.11.2016 के संकल्प सं. 499 के अनुसार इस योजना की अब समीक्षा की है तथा दि. 16.01.2017 से प्रभावी चश्मे के खर्च की प्रतिपूर्ति की दर में रु.1000/– से रु.1500/– की वृध्दि की है. कार्यकारी समिति ने भूतपूर्व–कर्मचारियों के जीवनसाथी को भी इस योजना को यथोचित परिवर्तन सहित दि. 16.01.2017 से लागू किया है. इस योजना के अन्तर्गत दि.16.01.2017 को अथवा उसके बाद चश्मा खरीदने वाले कर्मचारी/भूतपूर्व–कर्मचारी भी सुधारित दर से प्रतिपूर्ति पाने के लिए पात्र होंगे.

इस योजना के अन्तर्गत सभी विभाग/प्रभाग अपने कर्मचारियों/भूतपूर्व– कर्मचारियों को आवेदन फ़ार्म मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगे. इसके लिए सभी कर्मचारियों/भूतपूर्व–कर्मचारियों को नेत्र चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा जारी निर्धारण तिथि (प्रिस्क्रिप्शन तिथि) से 2 महीनों के अंदर पूर्ण रूप से भरा गया आवेदन संबंधित विभागों में प्रस्तुत करना होगा. संबंधित विभाग उसे विधिवत सत्यापन के बाद भुगतान के लिए कल्याण प्रभाग, मुं.पो.ट्र. को अग्रेषित करना होगा. आवेदन फ़ार्म में संबंधित कॉलम में पिछली प्रतिपूर्ति की तिथि दर्शाना आवश्यक होगा.

1 दिसंबर 2016 " विश्व एड्स दिवस "

एचआईव्ही पॉसिटिव्ह मरीजों के लिए ॲन्टि-रिट्रो व्हाइरल थेरेपी केंद्र शुरु करनेवाला मुंबई पोर्ट ट्रस्ट पहला पोर्ट.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट हर वर्ष विश्व एड्स दिवस/सप्ताह का अनुपालन करता है. इस वर्ष का विषय "एचआइव्ही की रोकथाम के लिए हाथ बढ़ाना" है. दि. 1 दिसंबर 2016 को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर, श्री संजय भाटिया, भा.प्र.से., अध्यक्ष, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने वड़ाला स्थित मुंपोट्र अस्पताल में निशुल्क ऍन्टि–रिट्रो व्हाइरल थेरेपी (एआरटी) केन्द्र का शुभारंभ किया. इस ए.आर.टी. को एन.ए.सी.ओ./ एम.डी.ए.सी.एस., के समन्वय के साथ संचालित किया जायेगा. एन. ए.सी.ओ. मुंपोट्र ए.आर.टी. केन्द्र को निशुल्क ए.आर.टी. दवाईयाँ मुहैया करेगा. मुंबई पोर्ट ट्रस्ट अपने कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यो के लिए ए.आर.टी. दवाईयाँ शुरु करनेवाला देश का पहला पोर्ट है. मुंपोट्र कर्मचारी एवं उनके आश्रितों के लिए सन 1999 से मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ए.आर.टी. दवाईयाँ वितरित कर रहा है.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने सन 2001 से एचआइव्ही/एड्स पर जागरूकता शुरु की है और 2006 में एचआइव्ही/एड्स पर "वर्क प्लेस पॉलिसी" शुरु करनेवाला पहला पोर्ट है. मुंपोट्र के खुद के परिसरों में उनके एस.टी.आई./आर.टी. आई. केन्द्र भी हैं.

मुंपोट्र अस्पताल स्थित ऍन्टि–रिट्रो व्हायरल थेरेपी (ए.आर.टी.) केन्द्र के इस सुविधा का लाभ आम जनता के लिए भी खुला है.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में नागरिक सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

(6 दिसंबर से 13 दिसंबर 2016)

नागरी सुरक्षा दिवस के अवसरपर राष्ट्र सुरक्षा की प्रतिज्ञा लेते हुए श्री. राजेंद्र पैबीर, सचिव, श्री.मो.रु.एस. कुरेशी, नियंत्रक नागरी सुरक्षा संगठन, श्री. नितीन बोरवणकर, मुख्य यांत्रिकी अभियंता एवं अन्य अधिकारी

नाडकर्णी पार्क, वडाळा में आयोजित बचाव प्रात्यक्षिक में सहभागी अधिकारी एवं कर्मचारी स्वयंसेवक

झलकियाँ

Maiden Voyage of Cruise Ship "GENTING DREAM" from Mumbai Port Trust's Cruise Terminal on 29.10.2016

Inauguration of Upgraded Passenger Terminal Hall at New Ferry Wharf (7 Nov. 2016)

Shri Nitin Gadkari,
Union Minister of Shipping,

Shri Devendra Fadnavis
Chief Minister of Maharastra

Mumbai Port Trust won All India Major Port Weight -Lifting & Body Building Championship held at JNPT on 21st & 22nd January 2017

Congratulation

Constitution Day at MbPT (29.11.2017)

Shri Sanjay Bhatia, IAS, Chairman, MbPT
addressing during the Constitution day

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट मध्ये मराठी भाषा दिन दिमाखात साजरा

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट मध्ये मराठी भाषा संवर्धन पंधरवडा व मराठी भाषा गौरव दिन दिमाखात साजरा झाला. मराठी भाषा दिना निमित्त आठवडयाच्या सुरवातच मराठी भाषा अभिमान गीत गायनाने झाली. त्याच वेळी 'प्रश्नमंजुशा' स्पर्धे अंतर्गत साहित्य, कला, मनोरंजन, इ. वर आधारित सामान्य ज्ञानाची परीक्षा घेणारे प्रश्न विचारण्यात आले. विजेत्यांना तात्काळ बक्षीस देऊन गौरविण्यात आले. विशेष म्हणजे ही स्पर्धा एकाच वेळी 6 ठिकाणी इस्पितळ, आंबेडकर भवन, सम्मेलन कक्ष, जवाहर द्वीप तथा इतर गोदी मधील कार्यालयातून घेण्यात आली. त्या शिवाय उत्स्फूर्त वक्तृत्व, निबंध, कथा–कथन, स्वरचित काव्यवाचन तसेच रांगोळी स्पर्धा अशा विविध स्पर्धांनी मराठी भाषा दिना निमित्त मराठीचा जागर करण्यात आला.

मराठी भाषा दिनाला प्रमुख पाहूणे म्हणून प्रसिध्द साहित्यिक श्री. प्रविण दवणे लाभले होते, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट चे उपाध्यक्ष श्री. यशोधन वनगे साहेबांच्या उपस्थितिमुळे कार्यक्रमात जणु दुग्धशर्करा योग जुळून आला होता. पाहुण्यांचे तथा उपाध्यक्षांचे स्वागत पाच सुवासिनींनी मराठमोळया पध्दतीने औक्षण करुन केले.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट च्या वतीने मनोगत व्यक्त करताना उपाध्यक्ष श्री. यशोधन वनगे यांनी ज्ञानेश्वरीतील मराठी भाषेतील सौदर्यस्थळांचा दाखला देत प्रेक्षकांच्या मनाची पकड घेतली. मराठी भाषा संवर्धनास सर्वांनी विशेष प्रयत्न करायला हवेत असेही अधोरेखित केले. प्रा. प्रविण दवणे यांनी कुसुमाग्रजांच्या कवितेने सुरुवात करुन ''माझ्या लेखनाची आनंदयात्रा''या विषयावर आपल्या ओघवत्या शैलीत श्रोत्यांना मंत्रमुग्ध केले. माणसांशी आपुलकीने संवाद साधताना विषय मिळत गेले आणि लेखनाच्या माध्यमातून सरस्वतीची आराधना होत गेली असेही त्यांनी नमूद केले. मराठी भाषा दिनाचे औचित्य साधून प्रसिध्द कवी, कवयत्रींच्या कवितांचे एक भव्य काव्य दालन उभारण्यात आले होते. काव्य दालनाचा आस्वाद घेत समारंभाचा समारोप झाला.

मराठी दिवसा निमित्त आयोजित स्वरचित कविता स्पर्धे मधील पुरस्कार प्राप्त कविता

प्रथम पुरस्कार प्राप्त

मुक्ती

काल एक मैत्रीण भेटली
म्हणाली आजादी मुबारक
डोळ्यासमोर उभी राहिली सद्यस्थिती विदारक
गांधी नामक महात्म्याने अहिंसेचा नांगर चालवून
जे शेत नांगरले त्या शेतामध्ये आज हिंसाचाराचे पिक आले
हजारो, लाखों देश भक्तांनी, रक्ताची शिंपण करुन
जो स्वातंत्र्य वृक्ष रुजवला
स्वार्थी भ्रष्ट पुढाऱ्यांनी त्याचा विषवृक्ष केला
तो अत्याचार होता परकीयांचा
निर्धार होता त्या विरुध्द लढण्याचा
आज स्वकीयच आमचे रक्त शोषताहेत
तरी सगळे स्वातंत्र्यगीत गाताहेत
मला एकदा लाल किल्यावर जायचंय
साऱ्या जगाला ओरडून सांगायचय
कुणीतरी मला स्वातंत्र्य द्या रे पुन्हां पारतंत्रात जाण्याचे
स्वकीयांच्या गुलामगिरीतून मुक्त होण्याचे.

सौ. निशा बोरगांवकर
वरिष्ठ परिचारिका,

द्वितिय पुरस्कार

महत्वकांक्षा

संतोष पांडुरंग पालव
गोदी विभाग

टँव टँव टाहो फोडत........
बाळ आलं हो जन्माला, बाळ आलं हो जन्माला,
सीमा उरली नाही आईबाबांच्या आनंदाला
सव्वा महिन्याच झाल असेल बाळ
तोडलं त्याने हातातलं खेळणं
चटकन त्याची आई म्हणाली, अहो ऐकलंत कां
इंजिनिअरच जणु जन्मलं..........
त्याक्षणी झाली होती, महत्वकांक्षांची नांदी
बाळाच्या स्वप्न पाहण्यावरही आली कि हो बंदी
डेंटिस्ट होईल बाळ आपलं, आलं बाबांच्या स्वप्नात
खुदकन हसलं चिमुकल, दाखवत बोळक्यातले दोन दांत
पहिल्या वाढदिवसाला बाळ लागलं तुरुतुरु चालु
आई बाबा म्हणले याला कि नाहि मोठया शाळेत घालू
सातवी आठवीत गेलं तेव्हा होत सगळयाच क्षेत्रात चाणक्ष
पण आपल्याच स्वप्नात गुंतलेल्या आईबाबांचं कुठे होत याकडे लक्ष
एकदा बाबा म्हणाले खुप खुप शिकुन तुला मोठ्ठं व्हायंचय
राहूंदे हो बाबा मला किनाहि शाळेतल्या नाटकात भाग घ्यायचाय
यावर आई म्हणाली.........
अरे नाटक नाटक केलंस तर अयुष्याचंच होईल नाटक
पण खुप शिकलास तर करियरच उघडेल समोर फाटक
रात्रंदिवस बाळाच्या अभ्यासासाठी आईबाबांचा चालला होता संघर्ष
अहो जिवनमरणाचाच प्रश्न होता कारण बाळाचं होत दहावीच वर्ष
आपेक्षेपेक्षा कमी तरी.......
नव्वद टक्के इतके छान मिळाले होते मार्क
इंजिनिअरिंगचच क्षेत्र योग्य, असा आईबाबांनी आधीच लावला कि हो निष्कर्ष
कॉलेज आणि क्लासच्या ॲडमिशन मध्ये आईबाबा गेले दंगुन
पण बाळाला काय हवंय हे कुणीच घेतलं नाही जाणुन
मनात नसलेल्या क्षेत्रामुळे बाळावर आलं होत दडपण
पण कुणीच नव्हतं जवळ समजुन घ्यायला त्याचं मन
अती महत्वकांक्षेमुळे बाळाच्या मनाने अंत होत गाठला
कारण अयुष्य संपवणे हाच त्याला सोपा मार्ग वाटला
नाही माझं म्हणनं कि महत्वाच नसत शिक्षण
पण मातीतुन घडा बनवताना
एकदा तरी पारखुन घ्या हो त्या मातीच लक्षण
एकदा तरी पारखुन घ्या हो त्या मातीच लक्षण

गॅलरी

तृतीय पुरस्कारप्राप्त

सौ. प्रीती इप्ते, गोदी विभाग

झेलावा गार वारा, अन् विस्तिर्ण आकाश पहावे जेथून
चहाचा मस्त झुर्का घेत, येणारे जाणारे न्याहाळावे येथून,
आराम खुर्चीत रेलावे, पहावे उंच उंच उडणारे पक्षांचे थवे
अरे कोणी कापली कोणाची पतंग, आनंद घेत हसावे,
ओंजळीत घ्यावा पाऊस इथून, शिंतोड्यांनी ही भिजून जावे
चिंब चिंब भिजलेली, चिमणी पिले पाहताना हळवे व्हावे मन,
सरळ रेषेतला रिमझिम पाऊस, तरंग होताना हळवे क्षण टिपावे,
चार भिंतीत जेव्हा कंटाळते मन, क्षणभर इथे रमावे

कुणी फुलवावी छोटीशी बाग, वेली फुलांत ही हरवून जावे
हळुवार करताना तिच्याशी गुज, स्वत :तच मग रहावे दंग,
कुणी घालावी वाळवणांची रांगोळी, पापड, लोणची अन मुरांबे,
वाळत घातलेल्या कपड्यांच्या आडून, कुणीतरी त्याला निरखून पहावे,
कधी कधी हिचा एक कोनाडा, अडगळीचा होऊन जातो,
घरात नकोत म्हणून काहीं वस्तू, इकडेच आम्ही साठवून ठेवतो,
एक दिवस असा येतो, गॅलरीत शोध घ्यावाच लागतो
चार भिंतीत जेव्हां सापडत नाही नां काही, क्षणभर इथे घालवावाच लागतो,
आठवणींच्या ही गॅलरीत, हळूच एकदा पहावे शिरुन
मनाच्या विस्तिर्ण आकाशात विहरणारे, विचारांचे पक्षी इथे दिसावे
अरे आपलीच पतंग कटताना पाहून खुदकन हसू यावे,
कडू-गोड गोष्टींचे , अनुभव सारे मिळावे अन्,
मनातले कप्पे उलगडताना, अलगद कोडे सुटावे,
चार भिंतीत जेव्हा कंटाळते ना मन,
आठवणींच्या गॅलरीत, क्षणभर तरी रमावे.....
क्षणभर तरी रमावे.......!

माझी कविता

सांगड

नव्या पिढीने जुन्या पिढीला आदराचे स्थान द्यावे
जुन्या पिढीने नव्या पिढीला योग्य ते स्वातंत्र्य द्यावे
स्वानुभवाचे बोल प्रौढत्वाने द्यावे
त्या आधारे तरुणाईने स्वानुभवाने धडे घ्यावे
जुने ते सोने असा कुणाचा हट्ट नसावा
नवे नवे ते हवेहवेसे वाटून त्याचाही उपभोग घ्यावा
आमच्या वेळी असे नव्हते....या सुरवातीला फाटा द्यावा
आज, अत्ता, उद्या ह्याचा नेहमी ठाव घ्यावा
विचारांचा प्रवाह बदलून प्रवाहाचा विचार करावा
तरुणाईने न विसरता बुजुर्गांचा आशिर्वाद घ्यावा
वृध्द, प्रौढ अन् तरुणाई ने एकमेका सावरावे
जुन्या नव्याचा मेळ पाहण्या सुखाने अलगद दारी यावे....

सौ. कल्पना चं. कुलकर्णी, सामान्य प्रशासन विभाग

माहिया.....

घमघमते रातराणी..
सांगते वाऱ्यावर
आपली प्रेमकहाणी

धुंदलेल्या दिशा...
आठवांनी तुझ्या
मोहरलेली निशा.....

अश्या निवांत समयी....
निशेने पांघरलीय
शुभ्र चांदणदुलई....

शांतता नीरव....
उमलत जाणारी निशा
अन् तुझे आठव.....

बहरलेली चांदण्यांची बाग...
झुकलेल्या पापण्या
अन् स्वप्नांना जाग....

चांदण्यांचे शहर......
फिरताना तुझ्यासवे
मोहरलेला प्रहर....

सौ. सुमेधा मराठे, कल्याण प्रभाग

मन माझे गेले कुठे......

मन माझे गेले कुठे, आता होते फुलापाशी
आली वाऱ्याची झुळूक, गेले की रे तुझ्यापाशी ॥

मन माझे गेले कुठे, घेत गिरकी हळूच
हसे लबाड मिष्किल, त्याला दिसलास तूच ॥

मन माझे गेले कुठे, तुझ्या घराच्या अंगणी
दारी फुलारुन आली, बघ खुळी रातराणी ॥

मन माझे गेले कुठे, शोधू शोधता मिळेना
तुझ्यापाशी तर नाही, माझा ठेवा मला दे ना ॥

मन माझे गेले कुठे, आता मागू कसे पुन्हा
तूच आपलेसे केले, माझे राहिले मुळी ना ॥

वैशाली म्हात्रे, सामान्य प्रशासन विभाग

मनिषा कासार
यांत्रिकी अभियंता विभाग

आई

ए आई मी तुझीच बालिका
एकदाच माझे म्हणणे, तू ऐकून तरी घेशील का ?
ए आई मी तुझीच बालिका

माझी चाहूल लागली तेव्हा, किती खुशीत नाचलीस तू
माझ्यासाठी गीताच काय, ज्ञानेश्वरी ही वाचलीस तू
पण नंतर मात्र त्यांनी घेतला तुझा ताबा
चल म्हणाले तपासूया बेबी आहे की बाबा
असो कुणीही माझेच ते हे ठासून सांगशील का
ए आई, माझे म्हणणे तू ऐकून तरी घेशील का

या जगात येऊन मी ही तुझे नाव मोठे करीन
इंदिरा, कल्पना, सुनिता, सानिया, ऐश्वर्या मी होईन
मुलाहूनही जास्त मी करीन तुमची सेवा
समई होऊन प्रकाश देईन का हवा वंशाचा दिवा ?
पण त्यासाठी तू मला या जगात आणशील का
ए आई, माझे म्हणणे तू ऐकून तरी घेशील का

ए आई, मी तुझीच बालिका
एकदाच गं, तू मला जन्म तरी देशील का
ए आई !!!